गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/IDC/1252/2018-2020

सेवा में,

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com
9406744064

मासिक
गोलालारीय दर्शन
सफलता के 10 वर्ष
लेट पोस्टिंग
अपनों के साथ अपनी बातें

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं । हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसको समाज से प्यार नहीं ।

वर्ष : 10 अंक : 3 पृष्ठ संख्या : 8 माह – 15 जनवरी 2019 सहयोग राशी 1100/– देकर सदस्य बनें ।

रक्षाबंधन पर भाई को याद कर लिया करें – आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज

खुरई । नगर में मंगलधाम परिसर में उत्साह का माहौल था अवसर था आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज एवं गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी का ससंघ समागम 42 वर्षों के बाद हुआ । आर्यिकाश्री ने आचार्यश्री से आशीर्वाद लिया । संघ के आर्यिकाओं ने 12 वर्षों के संयोग के बारे में बताया । शरदपूर्णिमा के दिन सन् 1934 को आर्यिकाश्री ज्ञानमति माताजी का जन्म हुआ था । शरदपूर्णिमा के ही दिन सन् 1946 में आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज का जन्म हुआ । आर्यिकाश्री ने 1956 में आर्यिका दीक्षा ली, आचार्यश्री ने 1968 में मुनि दीक्षा ली । इनमें 12 वर्षों का ही अंतर है । दोनों को भगवान ऋषभदेव के पुत्र एवं पुत्री की उपमा दी गई । भाई बहिन के मिलन को पावन अवसर बताया गया । देश में आपातकाल के समय आचार्यश्री बुंदेलखंड आ गए और आर्यिकाश्री हस्तिनापुर क्षेत्र में पहुंच गई । आर्यिकाश्री ज्ञानमति माताजी आचार्य देशभूषण जी महाराज के समय की मांगीतुंगी में स्थापित विशाल प्रतिमा का पंचकल्याणक कराकर लौट रही थी, वह आचार्यश्री शिवसागरजी द्वारा स्थापित अयोध्या की प्रतिमा के दर्शन करने जा रही हैं । दोनों संघ आपस में समागम के लिए आतुर थे, मिलन के समय सभी के अधरो पर मुस्कुराहट थी । भावनाएं मन में हिलोरे ले रही थी ।

एक ही संघ के हैं दोनो साधु – 20वीं शताब्दी के आचार्यश्री शांतिसागरजी महाराज ने जैन साधु परंपरा को अक्षुण्ण रखा । उनके शिष्य आचार्यश्री वीरसागरजी महाराज हुए । जिनसे आर्यिकाश्री ज्ञानमती माताजी ने दीक्षा ली । मुनिश्री शिवसागरजी दीक्षित हुए, बाद में वह आचार्य हो गये । उनसे मुनिश्री ज्ञानसागरजी महाराज ने दीक्षा ली । मुनिश्री ज्ञानसागरजी महाराज, आर्यिकाश्री ज्ञानमति माताजी एक ही संघ में रहे । बाद में आचार्यश्री ज्ञानसागर महाराज हुए, उनसे दीक्षा मुनिश्री विद्यासागर महाराज ने ली । बाद में वह आचार्य हो गए । अब वह बुंदेलखंड के आचार्य हैं । पहले संघ के चातुर्मास उत्तरप्रदेश, राजस्थान में ही हुए । पंचमकाल में भी विरासत में भगवान ऋषभदेव की छत्रछाया मिली ।

आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी ने कहा कि हम और आप सभी भाग्यशाली हैं । हमें पंचमकाल में भी भगवान ऋषभदेव की छत्रछाया और भगवान महावीर का जिनशासन मिला । कई जन्मों के पुण्य के फलस्वरुप जैन कुल में जन्म हुआ, णमोकार जपने का अवसर मिला । बपचन से ही संस्कार आए । तब मन में वैराग्य आया, आर्यिका दीक्षा मिली । उन्होंने पुराने दिनों के प्रसंग को याद करते हुए कहा कि 1959 में आचार्यश्री शिवसागर महाराज के साथ मुनिश्री ज्ञानसागर महाराज थे, हम आर्यिकाएं भी साथ में ही थे । तीन साल संघ के साथ में रहे। अजमेर में पहला चातुर्मास हुआ, सुजानपुर, सीकर में चातुर्मास हुए । सभा में जब एक श्लोक का अनुवाद करना था तो संस्कृत के प्रकांड विद्वान मुनिश्री ज्ञानसागर महाराज से अनुवाद कराया गया । श्लोक में यह बताया गया कि औचित्य गुण सबसे महत्वपूर्ण है । सारे गुणों को तराजू के एक पलवे पर रख दो और दूसरी तरफ औचित्य गुण रखो । अगर सारे गुणों में औचित्य गुण अलग कर दिया जाए तो अन्य गुण शून्य हो जायेंगे । औचित्य का तात्पर्य कर्त्तव्य से है, आचार्य, मुनि, आर्यिका, ब्रह्मचारी, ब्रह्मचारिणी, श्रावक का क्या कर्त्तव्य है यह सभी को ध्यान रखना जरुरी है ।

आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज ने कहा कि आप और मैं भाई बहन हैं, आपने भाई की सुध नहीं ली । हंसी करते हुए कहा कि पूछ तो लेते भाई कैसा है । रक्षाबंधन पर राखी तो अब बंधती नहीं, परंतु रक्षाबंधन का त्योहार तो मना सकते हैं, उस दिन ही भाई को याद कर लो । देश का आपातकाल मेरे लिए चतुर्थ काल बन गया, आगरा से दिल्ली जाते समय मैं मार्ग बदलकर बुंदेलखंड की ओर आ गया । यहां आकर देखा तो पाया कि यहां चैतन्य रत्नों की खान है । संघ में इतने चैतन्य रत्न मिले कि संघ बड़ा हो गया । अभी भी चैतन्य रत्न मिलते जो रहे हैं, यह खदान है । उन्होंने आर्यिकाश्री से कहा कि आप हस्तिनापुर को छोड़कर यहां आ जाएं, बुंदेलखंड को ही हस्तिनापुर बना दें । आचार्यश्री ने प्रसंगों को याद किया और हंसी के बीच गहरी बातें की, श्रद्धालु हंसते रहे, तालियां बजती रही । आचार्यश्री ने कहा कि कबड्डी का खेल अच्छा है लेकिन श्वांस दृढ़ होना चाहिए । जिसने श्वांस पर नियंत्रण कर लिया वह खेल जीत गया । इसी तरह मन पर नियंत्रण रखना जरुरी है ।

दादाजी के जन्मदिन पर पोते ने दिया वर्ल्ड रिकार्ड का उपहार

नये साल की सुबह मास्टर इशत ने नये प्रण व विश्वास के साथ ड्रम बजाना शुरु किया । वे अपने गुरु व परिजनों का आशीर्वाद लेकर नये साल में कुछ नया करने के इरादे से मंच पर आये और लगातार 12 घंटे तक ड्रम बजाकर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में अपना नाम दर्ज कराने में कामयाब रहे । 14 साल के ड्रमर इशत कक्षा 9वीं के छात्र है । वे पिछले तीन वर्षों से अपने गुरु बबलू शर्मा के मार्गदर्शन में संगीत के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए तैयारी कर रहे थे । उनकी ऐसी इच्छा है कि कुछ ऐसा किया जाये जिससे परिवार के साथ इन्दौर का नाम भी रोशन हो।

1 जनवरी को उनके लिए बड़ा ही अनोखा संयोग रहा । आज ही इशत के दादाजी श्री रमेशचंदजी जैन का 72वां जन्मदिन उल्लासपूर्वक मनाया गया । श्री रमेशचन्द्रजी गोलालारीय समाज इन्दौर के वरिष्ठ आजीवन स्थायी ट्रस्टी है । आप हमारी समाज के वे शख्स है जो खामोश रहकर अपने समाज की उन्नति के लिए हर संभव योगदान करते रहते है । समाज के लिए बहुउद्देशीय मांगलिक परिसर बनाने हेतु 1 एकड़ जमीन आपके सहयोग से प्राप्त हुई । वर्तमान में लार्ड आदिनाथ टाउनशिप में समाज के नये मंदिर हेतु भूमि चयन में भी आपका महत्वपूर्ण योगदान रहा है । मा. इशत ने अपना गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड अपने दादाजी को जन्मदिन के अवसर पर सप्रेम समर्पित किया । मा. इशत श्री रमेशचन्द्रजी–प्रभा जैन के पौत्र व प्रियंक–शालिनी जैन के सुपुत्र है । प्रियंक जैन वीर बाहुबली ग्रुप के अध्यक्ष भी है । श्री प्रियंक जैन ने बताया कि वर्ल्ड रिकार्ड के नियमानुसार हर तीन घंटे में 12 मिनिट का ब्रेक वादक ले सकता है । इस अवधि में इशत के खान पान का ध्यान रखते हुए उन्हें फल व ज्यूस दिये गये जिससे उनमें अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए सतत उर्जा मिलती रहे । गुरु बबलू शर्मा ने अपनी टीम के गायकों के साथ सुमधुर प्रस्तुतियां पेश कर 12 घंटे तक उपस्थित श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया । कुछ विशेष गानों पर मा. इशत ने अपना विशेष प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया ।

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड के लिए मा. इशत ने आधे घंटे से रियाज़ प्रारंभ कर 8 घंटे प्रतिदिन तक ड्रम बजाया । रियाज़ में स्लो और फास्ट बीट का समावेश कर अपने को तरोताज़ा रखने का अभ्यास मंच पर प्रस्तुति के समय उनके लिए काफी उपयोगी रहा । मा. इशत की शानदार प्रस्तुति के समय उनके परिवारजनों के साथ समाज के अनेको सदस्यों ने पहुंचकर उनका उत्साह बढ़ाया । वीर बाहुबली ग्रुप के सदस्यों ने कार्यक्रम स्थल पर बहुत ही सुंदर व्यवस्था बनाकर अतिथियों का मन मोह लिया ।

देवगढ़ में निर्मित होगी आचार्यश्री विद्यासागर संतशाला

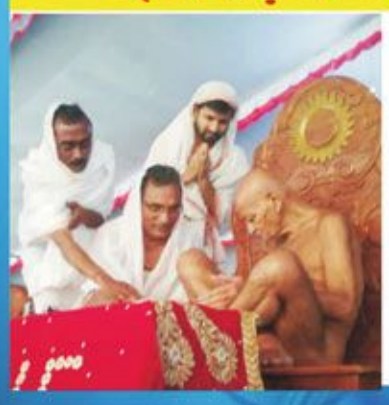

देवगढ़ में आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज के कदम पढ़ते ही देवगढ़ मैनेजिंग कमेटी व स्थानीय श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से आरती कर अगवानी की । सुबह की बेला में गुरुवर ने पूरे देवगढ़ के देवों की वंदना की और कहा कि निश्चित यह क्षेत्र मूर्ति निर्वाण का बड़ा केन्द्र रहा होगा । देवदर्शन के बाद आचार्यश्री के सानिध्य में शांतिधारा, अभिषेक की क्रियाएं संपन्न हुई जिसका पुण्यार्जन अशोक शिवाजी, देवेन्द्र अजमेरा गया, अरविंद सुमत बम्होरी, अमित जैन देहली, आशीष मोहनी, वीरेन्द्र नरेन्द्र कड़की, सनत कुमार, अतुल कुमार घी, अखलेश, अंकित, अंकुर, हरेन्द्र जैन उड़ीसा, वीरेन्द्र आगरा, अक्षय सिंघई विरधा को मिला । जिसके पश्चात पाद प्रक्षालन का सौभाग्य देवगढ़ कमेटी अध्यक्ष सेठ प्रदीपकुमार प्रसन्नकुमार प्रतीक कुमार देवेन्द्रकुमार राजकुमार सुनील कुमार रोचक कुमार रोमेश कुमार नौहरकलां परिवार व नरेन्द्र जैन रायपुर, मेघ विजय जैन मुंबई को मिला । इस अवसर पर सभी ने पूज्य गुरुदेव के समक्ष पीले पत्थर की एक संत शाला बनाने को आशीर्वाद लिया । पाद प्रक्षाल का पुण्यार्जन अशोक कुमार अर्पित जैन शिवाजी को मिला । दोपहर की बेला में संतशाला का शिलान्यास हुआ । जिसमें आचार्य कक्ष का पुण्यार्जन कमेटी कोषाध्यक्ष कमलेश सराफ, वरुण कुमार नीतेश कुमार सराफ परिवार ने किया व राकेश कुमार रोचक कुमार नौहरकलां देवेन्द्र कुमार सुनील कुमार राजकुमार नौहरकलां व हेमंत कुमार आलोक कुमार पवन कुमार झांसी व प्रदीप कुमार अशोक कुमार राजकुमार अनोरा व राजकुमार आनंद कुमार अरविंद कुमार अंकुर कुम्हेडी व नरेन्द्र जैन रायपुर व मेघ विजय जैन मुंबई ने एक एक कक्ष का पुण्यार्जन किया ।

शपथ विधि समारोह संपन्न - श्री दिगम्बर जैन गोलालारीय समाज (रजि.) ललितपुर

राकेश कुमार जैन डब्लू, ललितपुर । नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की शपथ ग्रहण का कार्यक्रम 23 दिसम्बर, रविवार को संस्था के नवीन भवन 'गोलालारीय भवन', आजादपुरा में संपन्न हुआ । कार्यक्रम में सभी उपस्थित समाज श्रेष्ठियों ने वीर वंदना का पाठ किया और समाज श्रेष्ठी श्री सेठ प्रदीपकुमार प्रसन्नकुमार नौहरकलां व डॉ. अरुणा जैन ने भगवान आदिनाथ के चित्र का अनावरण श्री सुरेन्द्रकुमार देवरान व श्री मुन्नालाल एड. (सिलगन) ने संयुक्त रुप से किया । आमंत्रित अतिथियों के सम्मान पश्चात वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किये । इनमें श्री सुभाषजी जल निगम, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री प्रकाशचंदजी एड., वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता श्री अजय जैन साइकिल, श्री महेशचंदजी पीएनबी, मुन्नालाल एडवोकेट ने प्रमुख रुप से संबोधित किया और नवनिर्वाचित समिति को समाज सेवा के गुर बताये । अनिल जैन नारियल को अध्यक्ष, सुनील कैलवारा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुनील गुंदेर कनिष्ठ उपाध्यक्ष, राकेश जैन डब्लू को मंत्री, अंकित एडवोकेट को सहमंत्री, संदेश जैन एडवोकेट को कार्यालय मंत्री, संजय पवैया व संजय सिलगन को ऑडिटर, डगराना, आलोक राख सुनील नौहरकलां, मुकेश मनीष वंडा व सौरभ देवरान को सदस्य पद की शपथ दिलाई गयी ।

वर्तमान कमेटी द्वारा नियमित कार्यकलापों में मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति, निर्धन व असहाय महिला पुरुषों को पेंशन आदि आर्थिक मदद देने व युवक युवतियों के संबंध कराने में मदद करने के अलावा गोलालारीय भवन के लिये भूखंड क्रय करना और उस पर एक हॉल निर्मित करवाना विशेष उपलब्धि रही। कमेटी द्वारा ललितपुर जिले को समाहित कर मोबाइल पत्रिका का प्रकाशन भी एक विशेष उपलब्धि रही। नवनिर्वाचित कमेटी इन सभी कार्यो को आगे बढ़ाती हुई आर्थिक क्षेत्र में जरुरतमंद साधर्मी जनों को आर्थिक रुप से सक्षम करने हेतु हर संभव कार्य करेगी तथा समाज को एक ऐसा मंच उपलब्ध कराने को प्रयासरत है कि हम एकजुट हो एक दूसरे की मदद करते हुए सामाजिक व आर्थिक उत्थान कर सके । साथ ही हमारा प्रयास होगा कि हम सरकारी योजना व उनसे मिलने वाले लाभ को जरुरतमंद व योग्य व्यक्ति तक पहुंचाने व उनका लाभ दिलाने में मदद करे ताकि उन योजनाओं का लाभ मिलना तय हो सके । हमारा प्रयास होगा कि हम साधर्मी जनों को शिक्षण प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें आर्थिक रुप से सक्षम कर पाये । इसके लिए हम समाज व श्रेष्ठीजनों के सहयोग के आकांक्षी है ।

ललितपुर में समाज नवनिर्मित भवन का लोकार्पण संपन्न

राकेश कुमार जैन डब्लू, ललितपुर । श्री दि. जैन गोलालारीय समाज (रजि.) ललितपुर के नवनिर्मित भवन में 24 घंटे का श्री भक्तामरजी पाठ के शुभारंभ में श्री मुन्नालालजी, कुलदीपजी, राकेशजी, कमलकुमारजी व संजय पवैयाजी ने यंत्रजी के समक्ष अभिषेक, शांतिधारा, पूजा अर्चना की । दूसरे दिन सुबह 8 बजे तक भगवान आदिनाथ की भक्ति आराधना समाज के स्त्री पुरुषों व बच्चों के द्वारा की गयी । श्री भक्तामरजी पाठ के विधिवत समापन व हवन पश्चात नवनिर्मित भवन का आगम सम्मत लोकार्पण किया गया । दोप. 2 बजे से साधारण सभा की बैठक शुरु हुई जिसमें संस्था को नवीन कार्यकारिणी के चुनाव कराने का निर्णय लिया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष श्री मुन्नालाल एडवोकेट ने की, मुख्य अतिथियों के रुप में वरिष्ठ समाज श्रेष्ठी व समिति संरक्षकगण उपस्थित रहे । सेठ प्रसन्नकुमार नौहरकलां परिवार ने भगवान आदिनाथ के चित्र का अनावरण किया तथा दीप प्रज्जवलन अजय कुमार साइकिल ने किया । उपस्थित जन समूह ने वीर वंदना का पाठ किया । सर्वश्री अरविंद जमादार, अरविंद बरौदा, डॉ. हुकुमचंद पवैया व महेश जैन मालथौन ने क्षमा के महत्व पर प्रकाश डालने के साथ संस्था का मार्गदर्शन भी किया । अंत में सभी का आभार व्यक्त करते हुए सभी महानुभावों से भोजन ग्रहण करने का निवेदन किया । कार्यक्रम का संचालन डॉ. हुकुमचंद जी पवैया द्वारा किया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रविन्द्र मोदी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील गुंदेरा, आडीटर राकेश डब्लू, अंकित एड. उपमंत्री धर्मेश्वर जमौरिया, कोषाध्यक्ष कुलदीप नौहरकला, कार्यालय मंत्री कमल बडेरा, सदस्यगण मुकेश नौहरकला, मनीष राख, अभिषेक एडवोकेट, संजय पवैया, देवेन्द्र विरधा, सुनील कैलवारा, अभिषेक बिलौवा तथा हिमांशु देवरान के साथ काशीराम बिलौआ, सतेन्द्र छोटे, साकेत चुनमुन, आलोक राख, संजीव जमादार, सुरेन्द्र देवरान, विजय देवरान, कमल नौहरकलां, मनोज सिलगन, वरुण नयाखेड़ा, शैलेष पिन्टू, गौरव देवरान, रोहन की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

अखिल भारतीय दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद की कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

डॉ. सुनील जैन 'संचय', रतलाम । परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य पूज्य मुनिश्री प्रमाणसागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में अखिल भारतवर्षीय दि. जैन शास्त्री परिषद की कार्यकारिणी समिति की बैठक रतलाम के लोकेन्द्र भवन में विविध प्रस्तावों एवं अनेक जिज्ञासा समाधान के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई । डॉ. श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत की अध्यक्षता एवं पं. चन्द्रप्रकाश जी चंदर के मंगलाचरण पश्चात बैठक प्रारंभ हुई । जिसमें महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए - आगामी ग्रीष्मकालीन विद्वत शिक्षण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन मुनिश्री प्रमाणसागरजी महाराज के ससंघ सान्निध्य में किया जाये, जिससे मुनिश्री द्वारा मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्राप्त हो सके ।

वर्तमान में छायांकित मुनि आर्यिका आदि की प्रतिमा का निर्माण नहीं होना चाहिए । गुरु मंदिर और आर्यिका मंदिर की परंपरा आगमोक्त नहीं है ।

वर्तमान काल में दुष्प्रभाव से ग्रस्त विभिन्न साधुओं संस्थाओं द्वारा आगम में अवर्णित अथवा प्राचीन परंपरा के विरुद्ध स्थायी-लाभ पूजादि के प्राप्त करने हेतु पूर्वत: प्रचलित ध्येय वाक्यों, लोगो, नामों आदि को परिवर्तित कर कपोल-कल्पित नई-नई पंक्तियां, नए नाम दिये जा रहे हैं, ऐसे आगम विरोधी नामों और लोगों को शास्त्री परिषद बिल्कुल भी समर्थन नहीं करती है एवं संबंधित साधुगणों, संस्थाओं, विद्वानों से अनुरोध करती है कि वे प्राचीन परंपराओं, नामों, ध्येय वाक्यों के संरक्षण में योगदान दें ।

शास्त्री परिषद का सदस्य शास्त्री या स्वाध्यायी, चारों अनुयोगों का ज्ञाता होना चाहिए । अत: सदस्यता प्रदान करते समय ध्यान रखा जाए। शास्त्री परिषद प्राचीनकाल से ग्रंथों का प्रकाशन करती रही है । वर्तमान में भी सैद्धांतिक ग्रंथों का प्रकाशन कराएगी ।

इस दौरान आचार्य प्रवर वसुबिन्द - अपरनाम जयसेन विरचित ब्र. पवन भैयाजी - मुनि श्री निर्दोषसागरजी महाराज, ब्र. कमल भैयाजी - मुनि श्री निर्लोभ सागरजी महाराज द्वारा अनुवादित ब्र. जयकुमारजी निशांत भैयाजी टीकमगढ़, पं. विनोदजी रजवांस द्वारा

संपादित एवं प्रतिष्ठाचार्य गुलाबचंद्र पुष्प स्मृति समिति द्वारा प्रकाशित प्रतिष्ठा पाठ नामक ग्रंथ का विमोचन किया गया । ग्रंथ के प्रकाशन की सभी ने अनुमोदना और प्रशंसा की । इस अवसर पर अध्यक्ष डॉ. श्रेयांस जैन बड़ौत, महामंत्री ब्र. जयकुमार निशांत, विनोद रजवांस, डॉ. धर्मचंद्र कुरुक्षेत्र, प्राचार्य अरुण व्याबर, डॉ. ब्र. धर्मेन्द्र दिल्ली, पं. जयंत सीकर, डॉ. कमलेश जैन जयपुर, पं. चंद्रप्रकाश चंदर आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

विवाह समारोह में महिला संगीत नहीं होगा, शादी में व्यंजन भी कम बनेंगे

भोपाल शहर के 60 मंदिरों की बैठक में निर्णय, समाज के बाहर विवाह पर नहीं होगे सामाजिक समारोह । खाने की बर्बादी और फिजूल खर्च रोकने जैन समाज अब शादी समारोह में ज्यादा व्यंजन नहीं बनाएगा । समाज के संगठन ने विवाह समारोह में सिर्फ 21 प्रकार के व्यंजन परोसने और महिला संगीत पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है । लालघाटी स्थित जैन मंदिर में हुई बैठक में शहर के 60 मंदिरों के समिति अध्यक्ष मौजूद थे । भोपाल पंचायत कमेटी अध्यक्ष प्रमोद हिमांशु ने कहा कि सामाजिक रीति रिवाजों की मधुरता को बनाए रखने यह निर्णय लिया गया है । जो पैसा बचे, उसे समाजसेवा में लगाएं - बैठक में कहा गया कि विवाह समारोह में समाज के इस नियम का पालन कर हम लोगों को सलाह दे रहे है कि इससे जो पैसा बचता है, उसे समाजसेवा में लगाएं । पांच लोग ही देंगे सामूहिक श्रद्धांजलि - बैठक में मृत्यु भोज और उठावने को लेकर भी चर्चा की गई । समाज के प्रवक्ता अंशुल जैन ने कहा, तेरहवीं के सामूहिक मृत्युभोज को भी बंद किया गया है । यह पूरी तरह से फिजूलखर्च है । हालांकि लोग अपने परिवार और रिश्तेदारों को तेरहवीं का भोजन करा सकते है । यही नहीं उठावने के दौरान श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भी परिवर्तन किया गया है । अब उठावने के दौरान सिर्फ पांच व्यक्तियों द्वारा ही सामूहिक श्रद्धांजलि दी जाएगी । संकलन - राजेश जैन

हार्दिक बधाई

एम.एस.सी. टेक एप्लाइड जियोफीजिक्स की छात्रा **अवनि जैन** को आईआईटी धनबाद के 39वें दीक्षांत समारोह में 3 गोल्ड मेडल प्रदान किये गये । आप वर्तमान में मुंबई की सलमवर्जर कंपनी में कार्यरत है । आप मंडला के दवा व्यवसायी श्री अनिल-अर्चना जैन की सुपुत्री है ।

14 वर्षीय **नित्यता जैन** ने जयपुर में संपन्न नेशनल यूमन चेस चैम्पियनशिप में 4 घंटे तक चले मैराथन मुकाबले के छटे राउंड में अंडर 12 गर्ल्स वर्ल्ड चेस चैम्पियन तमिलनाडु की सविताश्री को पराजित किया । इस प्रतियोगिता में नित्यता जैन ने मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया ।

मा. चिदेश निशांत-रेशू जैन को भोपाल में संपन्न जीएम चेस प्रतियोगिता 18 में 1000 से 1200 रेटिंग ग्रुप में प्रथम पुरस्कार के रुप में 15000 रु. की राशि आयोजकों द्वारा भेंट की गयी ।

आपके परिवार में किसी भी सदस्य ने सामाजिक, धार्मिक, खेलकूद व अन्य क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त की हो तो हमें प्रकाशन हेतु भेज सकते है।

महिला सम्मेलन में डॉ. ममता सम्मानित

सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर गंजबासौदा भारतीय महिला जैन मिलन मुख्य शाखा की संयोजिका ममता जैन को दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला सम्मान से सम्मानित किया गया । जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋतुराज जैन, महामंत्री नरेश जैन, राष्ट्रीय संयोजिका सुविना जैन व क्षेत्रीय पदाधिकारी मौजूद रहे । डॉ. ममता जैन के निर्देशन में महिला जैन मिलन द्वारा निर्धन बच्चों को कॉपी किताब वितरण, सर्दी में ठिठुरते गरीबों को कंबल वितरण, बीमारों के इलाज जैसी सेवा गतिविधियों के साथ साथ पौधारोपण कर पर्यावरण के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किये गए है ।

पत्र संपादक के नाम ... 'प्रयास' रिश्तों को जोड़ने का द्वितीय अंक के माध्यम से मेरी सुपुत्री निकिता जैन का विवाह इसी अंक में प्रकाशित श्री नवीन जैन के साथ 18 मार्च 18 को संपन्न हुआ । प्रयास पत्रिका के माध्यम से ही हमें इस संबंध की जानकारी मिली । यह पत्रिका समाज के लिए काफी उपयोगी है । इसका प्रकाशन प्रतिवर्ष होना चाहिए । - कमलकिशोर जैन, भिलाई

समाज की महिलाओं व युवा पीढ़ी से अनुरोध है कि वे अपनी कवितायें, कहानी, लेख हमें अपने चित्र सहित प्रकाशन हेतु भेज सकते है । योग्य रचना को आगामी अंक में प्रकशित किया जावेगा ।

कथारंभ की रोचक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया

राजेश जैन, भोपाल । 16 दिसम्बर की शाम को महावीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (मेम्स) एवं समर्पण इंस्टीट्यूट ऑफ डांस की ओर से कत्थक नृत्य का रंगारंग कार्यक्रम रखा गया । कथारंभ – कथा कत्थक की जिसमें कत्थक और कत्थक का इतिहास बहुत ही खूबसूरती से दिखाया गया । अपनी प्रस्तुति के द्वारा समर्पण इंस्टीट्यूट ऑफ डांस के 25 कलाकारों ने सभी दर्शको का मन मोह लिया । कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने उज्जैन से बनारस घराने की डॉ. श्रीमती पूनमजी व्यास पधारी, जो समर्पण इंस्टीट्यूट ऑफ डांस की डायरेक्टर श्रीमती अंजू–डॉ. राजेश जैन की गुरु भी है । कार्यक्रम में दूरदर्शन के डायरेक्टर साजिद रिज़वी, भोपाल एडिशनल कमिश्नर आईएएस राजेश जैन, म्यूजिक डायरेक्टर श्री अनूपजी शर्मा और अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही ।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ । कार्यक्रम की शुरुआत शिवस्तुति से हुई । शिव वंदना और कृष्णकाल को कत्थक के माध्यम से बहुत ही सुंदर तरीके से पेश किया गया । कथारंभ के अंतर्गत कत्थक का उद्भव शिवस्तुति में लास्य और तांडव द्वारा, कृष्णा युग में माखन चोरी और महाभारत की द्रोपदी के द्वारा, कत्थक का मंदिरों में भजनों में प्रस्तुति, मुगल काल में चतुरंग और तराना की प्रस्तुति । कत्थक के बनारस घराने के तत्कार, तोड़े, परन, चक्करदारपरन, गत भाव, गत निकास, कवित्त, तोड़ो में ऋतु की तीन ताल और धमार ताल में प्रस्तुत की गयी । जिसने दर्शकों का मन मोह लिया । कत्थक यात्रा को बहुत ही खुबसूरत और अनूठे रुप में प्रस्तुत किया गया । इसमें भरत मुनि से लेकर वर्तमान काल तक कत्थक के विभिन्न रुपों को शानदारी तरीके से पेश किया गया ।

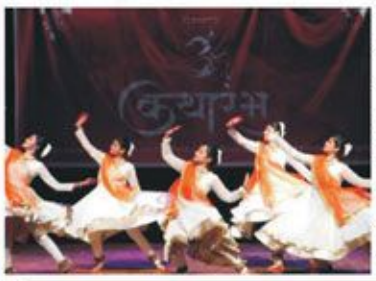

कबीर के हृदय को छू लेने वाले भजन झीनी भीनी चंदरिया पर कु. दिव्या और कु. दीक्षा जैन ने बहुत ही सुंदर प्रस्तुति दी । आप दोनों गोलालारीय समाज भोपाल के कोषाध्यक्ष श्री राजेश–सपना जैन की पुत्रियां है । कृष्णकाल की अनूठी रोमांचकारी वृत्तांत माखनचोरी के दृश्य को जीवंत रुप में कु. अंतरा जैन पुत्री डॉ.राजेश–अंजू जैन ने बहुत ही मनमोहक रुप में प्रस्तुत किया । इस अवसर पर पूनम व्यास ने कहा कि शिष्यों को सदैव अपने गुरु का सम्मान करना चाहिए । देश की सुरक्षा सीमा पर सैनिक ही नहीं करते है बल्कि कला साधक अपनी कला के माध्यम से देश की कला और संस्कृति की रक्षा कर रहे है, इन सभी के लिए जीवन में नैतिक शिक्षा का पालन होना अतिआवश्यक है । सम्मान समारोह के पश्चात्य कत्थक के नए परिवेश की प्रस्तुतियां की गई । जिसमें बनारस घराने के पंडित गोपीकृष्णजी कत्थक नृत्य को बॉलीवुड में लाये । उनको उनके द्वारा किया गया नटवारी नृत्य कलाकारों द्वारा समर्पित किया गया । श्रीमती अंजू जैन की अथक मेहनत और प्रयास ही है कि उन्होंने गृहस्थी के दायित्वों का पूर्ण निर्वाह करते हुए भारतीय नृत्य की इस शानदार शैली को जीवंत बनाने में शिष्यों सहित अपना महती योगदान दिया । उनके इस ग्रुप में 5 डॉक्टर, 2 वकील व 2 एमबीए की छात्रायें है । हमें गर्व होना चाहिए कि गोलालारीय समाज की प्रतिभाशाली अंजू जैन के मार्गदर्शन में छोटी छोटी बच्चियों ने कत्थक की शिक्षा प्राप्त कर अपनी प्रथम मंच प्रस्तुति को अपनी गुरु श्रीमती पूनम व्यास को सादर समर्पित कर गुरु शिष्य परंपरा का निर्वाह किया ।

बायोडॉटा प्रारुप का विवरण

1.	क्रमांक	9.	वर्ण
2.	प्रत्याशी का पूरा नाम	10.	व्यवसाय
3.	स्वयं / मामा का गोत्र	11.	वार्षिक आय
4.	जन्म दिनांक	12.	कुंडली मिलान
5.	जन्म समय (रेलवे समयानुसार)	13.	मंगली
6.	जन्म स्थान	14.	पत्र व्यवहार का पता
7.	शिक्षा	15.	फोन / मोबाईल नं.
8.	कद / वजन	16.	प्रत्याशी का ईमेल

प्रत्याशी का नवीन फोटो

1. 01
2. अंतरिक्ष कैलाशचंद जैन
3. सिंघई/परवार (पंचरतन)
4. 15.09.1986
5. 04.30
6. जबलपुर
7. CA
8. 5'5'' / 62 कि.
9. गेहुँआ
10. सर्विस
11. 3.00 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. 977, न्यू जगदम्बा कालोनी, महाराजा अग्रसेन वार्ड, जबलपुर
15. **8719000257, 8103658327**

1. 02
2. गौरव रवीन्द्रकुमार जैन
3. पंचरतन/फणीश
4. 29.08.1987
5. 09.00
6. जबलपुर
7. M.Tech, MBA (IITM) (XLRI)
8. 5'10''/-
9. गौर
10. सर्विस–हैदराबाद
11. 27.00 लाख
12. हाँ
13. आंशिक
14. 205/2/ए, न्यू जगदंबा कालोनी महाराजा अग्रसेन वार्ड, जबलपुर
15. **9425801017, 9425864530**

1 03
2. अनिशा दयाचंद जैन
3. पंचरत्न/फणीश
4. 31.01.1992
5. 13.04
6. पन्ना
7. M.Com, D.EL.Ed
8. 5'4''
9. गोरा
10. शिक्षिका
11. –
12. हाँ
13. हाँ
14. किशोरगंज मोहल्ला, जैन धर्मशाला के पीछे, पन्ना
15 **9425167745, 9893256268**

1. 04
2. अंकित जिनेन्द्रकुमार जैन
3. दिवाकीर्ति/–
4. 26.02.1989
5. 24.00
6. नौगांव
7. एम.कॉम
8. 160 सेमी/56 कि.
9. गोरा
10. किराना दुकान
11. 6 अंको में
12. नहीं
13. नहीं
14. जैन किराना स्टोर, धर्मशाला के पास नौगांव, छतरपुर
15. **9424347379, 9188391068**

1. 05
2. अंकित चक्रेशकुमार जैन
3. मनोरिया/बिलौआ
4. 26.12.1990
5. 00.20
6. पिपरई
7. बी.ई.
8. 5'9''/74कि.
9. गोरा
10. व्यवसाय–बिल्डिंग मटेरियल
11. 6 अंको में
12. नहीं
13. नहीं
14. पुराना बाजार, पिपरई अशोक नगर
15. **8871620072, 7415247428**

1. 06
2. अनूप भागचंद जैन
3. फणीश/भंडारी
4. 19.03.1985
5. 05.15
6. ललितपुर
7. M.Sc., MBA
8. 5'4'' / 80कि.
9. गेहुँआ
10. सर्विस – यस बैंक, इन्दौर
11. 10.00 लाख
12. –
13. नहीं
14. 422, सिविल लाईन, न्यू बस्ती ललितपुर
15. **8090865517, 9424013136**

1. 07
2. विजीत रवीन्द्र कुमार जैन
3. सिंघई/धमसैया
4. 22.06.1988
5. 18.10
6. झांसी
7. B.B.A (Marketing)
8. 5'7''
9. गेहुँआ
10. सर्विस टोयोटा मोटर्स
11. 4.00 लाख
12. हाँ
13. आंशिक
14. बी–19, शिव गणेश कॉलोनी झाँसी
15. **9451832713, 9827739279**

1. 08
2. रवीश रवीन्द्र कुमार जैन
3. सिंघई/धमसैया
4. 23.08.1990
5. 14.37
6. झांसी
7. B.Tech (I.T.)
8. 5'8''
9. गेहुँआ
10. सर्विस–डेल इंडिया, बैंगलोर
11. 7.00 लाख
12. –
13. –
14. बी–19, गणेश कालोनी झाँसी
15. **9451832713, 9827739279**

1. 09
2. शुभम संतोषकुमार जैन
3. सोनव्यारे/पवईया
4. 02.10.1995
5. 11.53
6. कटनी
7. M.Com
8. 5'5''/60 कि.
9. गोरा
10. भवन निर्माण सामग्री व डीजल पंप
11. 6 अंको में
12. हाँ
13. नहीं
14. सलेहा मोड, पवई जिला पन्ना
15 **8085202777, 8770943296**

1. 10
2. रचित (मिन्टू) सुरेशकुमार जैन
3. गुढ़ारे/वैद्य
4. 06.11.1987
5. 03.10
6. –
7. बी.एस.सी.
8. 5'9''/–
9. गोरा
10. व्यापार
11. 3.00 लाख
12. हाँ
13. –
14. असाटी मोहल्ला, हटवारा स्कूल के पास छतरपुर
15. **9752358639, 8085349673**

1. 11
2. अविरल राकेश जौहरी
3. पवई/सिंघई
4. 2.01.1990
5. 10.13
6. सागर
7. एम.टेक सिविल
8. 5'6''/–
9. गोरा
10. व्यवसाय–कान्ट्रेक्टर
11. 10.00 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. जौहरी राकेशकुमार जैन, बड़ा बाजार सागर
15. **9826544288, 9039303801**

1. 12
2. अभिज्ञ संजय जैन
3. वैद्य/भंडारी
4. 19.10.1991
5. 16.15
6. ललितपुर
7. B.Sc. in Nautical Sc.
8. 5'11''/ 85 कि.
9. गोरा
10. सर्विस – मुंबई
11. 7 अंको में
12. –
13. –
14. भूमि सिद्धि, ए विंग, फ्लेट नं. 402, प्राधिकरण , रावेत, पुणे
15. **9657704046, 9793972656**

1. 13
2. राशि रविन्द्र जैन
3. गुणारे/पंचरतन
4. 10.02.1992
5. 21.45
6. मऊरानीपुर
7. M.Com
8. 5'3''
9. गोरा
10. –
11. –
12. –
13. –
14. अरिहंत वस्त्रालय, सेहारे मार्केट बड़ा बाजार, मऊरानीपुर
15. **9506696445, 9670472025**

1. 14
2. संचिता राकेशकुमार जैन
3. पवैया/फणीश
4. 23.07.1995
5. 1.05
6. मऊरानीपुर
7. B.E. Electricals
8. 5'2''/55 कि.
9. गोरा
10. सर्विस–डाबर इंडिया, भोपाल
11. 3.00 लाख
12. –
13. –
14. आलीपुरा, नौगांव जिला छतरपुर
15. **9424714391, 9755505555**

1. 15
2. अभिषेक डॉ. प्रद्युम्न कुमार जैन
3. पटवारी/बिलौआ
4. 11.12.1993
5. 17.45
6. नौगांव
7. B.E
8. 5'10''/ 60 कि.
9. गोरा
10. सर्विस – गूगल
11. 5.60 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. वार्ड नं. 14, महावीर कालोनी आर.एम. कालेज रोड़, नौगांव, छतरपुर
15. **9179811179, 9415507952**

1. 16
2. मयंक धवनविजय जैन
3. वैद्य/विगमूर भारिल्ल गोत्र
4. 22.04.1994
5. 04.11
6. जबलपुर
7. -
8. 5'6''
9. गेहुँआ
10. मोबाइल शॉप
11. 6 अंको में
12. हाँ
13. –
14. जैन मंदिर के सामने, परवारपुरा इतवारी, नागपुर
15. **9372426677, 9422014543**

* बायोडाटा भेजते समय यह अवश्य ध्यान रखें कि प्रत्याशी का फोटो साफ सुथरा हो एवं बायोडाटा के प्रत्येक कालम की जानकारी पूर्ण हो ।

* जानकारी देते समय जन्मसमय एवं स्थान का विशेष ध्यान रखें ।

* बायोडाटा में प्राप्त प्रविष्टियों की अतिरिक्त प्रति हम मधुर कोरियर या डाक व्यवस्था द्वारा भेजते है । पत्रिका की प्रति प्राप्त होने पर आप हमें 9424013136 पर सूचित कर देवें ।

परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद

प्रधान संपादक
सिंघई राजेन्द्र जैन, 9424013136

सह संपादिका
श्रीमती अनुपमा-रजनीश जैन, 9009066884
श्रीमती साधना-सुनील जैन, 8602696165

कोषाध्यक्ष
सुधेशकुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972
खुशालचंद जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227

संयोजक एवं प्रकाशक
बाहुबली जैन, 9827247847

समाज के श्रेष्ठीजनों से पुन: सादर अनुरोध है कि समाज की एकमात्र सामाजिक पत्रिका गोलालारीय दर्शन के निरंतर प्रकाशन के लिए आप शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक, संरक्षक, विशेष सहयोगी बनकर पत्रिका को आर्थिक संबल प्रदान करें।

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

विशेष सहयोगी
अनिल कुमार ज्ञानचंद जैन, गंजबासौदा

सहयोगी
संजय गुलाबचंद जैन, इन्दौर
एड. खुशालचंद जैन, विदिशा
नेमीचंद जैन, गंजबासौदा 'खजुराहोवाले'

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
सहयोगी सदस्य	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC Code: SBIN0030134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट - 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	300/-

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर अथवा श्री राजेन्द्रकुमार जैन हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड, इन्दौर पर भेंजे।

पगडण्डी कहाँ चली गयी जो पहले थी - आचार्यश्री विद्यासागरजी

सुनील जैन 'संचय', शैलेष पिन्टू, ललितपुर। जिस घड़ी का इंतजार ललितपुर वासियों को तीन दशक से भी अधिक समय से था वह इंतजार 21 नवम्बर को पूरी हो गयी जब साधना के सुमेरु भारतीय संस्कृति के संवाहक संत शिरोमणि आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज अपने विशाल संघ के साथ ललितपुर नगर में प्रवेश किया।

आचार्यश्री का पदविहार बांसी से ललितपुर की ओर प्रात:काल 6 बजे शुरु हुआ। जैसे ही लोगों ने आचार्य श्रेष्ठ के नगर आगमन की सुनी तो खुशियों का ठिकाना नहीं रहा। कोई पैदल को तो कोई गाड़ी से पदविहार में सम्मिलित होने के लिए पहुंचा। इतनी सुबह सुबह भारी जनसैलाव उमड़ा देख रास्ते में पड़ने वाले गांवो के लोग भी आचार्यश्री की एक झलक पाने को लालायित देखे गये। जन सैलाव इतना था कि प्रशासन लोगों को दूर से ही दर्शन करने की अपील कर रहा था। बांसी से ही हजारों की संख्या में बिना जूते चप्पल के श्रद्धालु चल रहे थे। जैसे जैसे आचार्यश्री के पग आगे बढ़ रहे थे श्रद्धालुओं का जन सैलाव बढ़ता ही जा रहा था। हाईवे पर दूर दूर तक अपार भीड़ ही भीड़ दिख रही थी। आचार्यश्री के आगे आगे बैंड बाजे चल रहे थे इसके बाद पचरंगा झंडे लेकर कार्यकर्ता चल रहे थे इसके बाद पदाधिकारी चल रहे थे जो आचार्यश्री के दर्शन लोगों से दूर से करने की अपील कर रहे थे ताकि पद विहार में बाधा उत्पन्न न हो। इसके बाद आचार्यश्री संघ सहित चल रहे थे पश्चात उनसे कुछ दूरी पर जन सैलाब चल रहा था।

नगर में पूर्व से विराजमान मुनिश्री अविचल सागरजी ने नंदनवारा पहुँचकर आचार्यश्री के चरणों में नमोस्तु पूर्वक नमन किया। रास्ते में रंग बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े जा रहे थे। आचर्यश्री पदविहार करते हुए महर्रा ग्राम स्थित आदिनाथ कालेज प्रांगण में पहुंचे जहां पर मुख्य द्वार पर कालेज प्रबंधन ने आचार्यश्री का वंदन किया।

इस अवसर पर उपस्थित हजारो श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी एक चीज गुम गयी है। मैं आ रहा था, आप लोग भी आ रहे थे। मैं पूछना चाहता हूँ कि क्या वह चीज आप लोगों को मिल गयी ? इस पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने कहा 'हओ'। इस पर चुटकी लेते हुए आचार्यश्री ने कहा कि ललितपुर में भी 'हव' चलता कि नहीं। इस पर जन समुदाय ने कहा 'हओ'। उन्होंने कहा कि जो मतलब आप लोग समझ रहे हैं वह नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि मैं सोच रहा था कि भूल गए हैं आप लोग। उन्होंने कहा कि अब पगडण्डी जीवित है कि नहीं। अब शायद पगडण्डी जीवित नहीं रह पाएगी क्योंकि पगडंडियों पर चलाना तो चाहते हैं लेकिन चलना नहीं चाहते। अंत में उन्होंने कहा कि वाहनों पर लिखा रहता है 'फिर मिलेंगे'। पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सुरक्षा व्यवस्था में लगे हुए पुलिस अधिकारी और सिपाही बड़े ही आनंद के साथ आचार्यश्री के आगे और पीछे दौड़ते भागते चल रहे थे। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के समुचित प्रबंध किये गये थे। पंचायत समिति ने नगर की सीमा चंदेरा पर भव्य अगवानी की। इसके बाद विशाल जनसैलाब गल्लामंडी, इलाइट चौराहा, जेल चौराहा, तुवन चौराहा होते हुए विशाल शोभायात्रा स्टेशन रोड़ स्थित क्षेत्रपाल मंदिरजी पहुँची। रास्ते में लोगों ने श्रद्धालुओं को जल, मिठाई, फल देकर उनका खूब स्वागत किया। रास्ते में जहां नवयुवक करतब दिखाते हुए चल रहे थे वहीं अनेक बग्गियां, घोड़ो पर ध्वज लेकर चल रहे थे। विभिन्न स्वयंसेवी संगठन अपनी सेवाएं दे रहे थे। जिसने भी आज का यह नजारा देखा कह उठा अद्भुत, अकल्पनीय, ऐतिहासिक, भूतो न भविष्यति। नगर में जब जुलूस चल रहा था तो जिसको जहां जगह मिली वहां से इन अमूल्य पलों को देखने को आतुर थे। ऐसी कोई छत नहीं थी जिस पर बड़ी संख्या में नगरवासी न हो।

नगर में उत्सव जैसा माहौल था। पाठशाला के बच्चे आचार्यश्री के अभियान हथकरघा, इंडिया नहीं भारत बोलो आदि की तख्तियां लेकर चल रहे थे। कई किलोमीटर की लंबाई में अगवानी जुलूस देखने योग्य था।

आचार्यश्री के नगर आगमन पर स्वागत के लिये पूरा शहर सजाया गया था। सड़क के उपर किनारों में झिलमिल चमकनी तो सड़क पर रंगोली बनाई गई थी। अनेक स्वागत द्वार बनाये गये थे। शहर के लोग धरती के देवता को अपने बीच पाकर धन्य हो रहे थे। जयकारों से आकाश गुंजायमान हो रहा था। विभिन्न परिधानों में महिलायें स्वागत के लिए खड़ी थी।

अनियत विहारी का विहार - आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज कभी किसी को बता कर विहार नहीं करते इसलिए उनके आगे अनियत विहारी संत लिखा जाता है। ललितपुर नगर प्रवेश को लेकर यह देखने भी मिला है। नगरवासी 22 नवम्बर को उनके नगर प्रवेश की पूर्ण संभावना मानकर चल रहे थे। 22 नवम्बर के हिसाब से ही लोग तैयारी में जुटे थे। बाहर से आने वाले इष्ट मित्र, रिश्तेदारों को भी यही सूचना दी गई थी। लेकिन अचानक ही 21 तारीख को आचार्यश्री का मंगल पदार्पण नगर में हो गया। आज जब इतना जनसैलाब उमड़ पड़ा था यदि निर्धारित तिथि 22 नवम्बर को प्रवेश होता तो न जाने कितना जनसैलाव उमड़ता।.

महिलाओं की राह में उजाला कर रही 'ज्योति'

महिलाओ की सुरक्षा, सम्मान और उनसे जुड़े अनेक मुद्दों पर आवाज उठाने वाली महिलाओं में खतौली की साहित्यकार डॉ. ज्योति जैन का नाम भी शामिल है। वे विभिन्न संगठनों से जुड़ी हैं और सामाजिक उत्कृष्ट कार्यों के लिए राजस्थान में मुनि सुधासागरजी महाराज के सानिध्य में इनको पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया। इसके अलावा कई पुरस्कारों से भी आपको सम्मानित किया जा चुका है। वे सामाजिक और महिला उत्थान के लिए सतत काम कर रही है।

डॉ. ज्योति जैन महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता दर्ज कराई है। वे पिछले दो दशकों से दिगम्बर जैन महासमिति में महिला प्रकोष्ठ संभागीय मंत्री तथा भारतीय जैन मिलन की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष है। इन्होंने खतौली की महिलाओं को जागरुक करने का काम किया और उनको विभिन्न संगठनों से जोड़ा, ताकि महिलाए संगठनों से जुड़ कर अपने को आत्मनिर्भर और सशक्तिकरण का हिस्सा बन सके। उन्होंने बाल, महिला, सामाजिक, धार्मिक विषयों पर करीब 150 से अधिक लेख लिखे है। भारतीय योग संस्थान व नारी कल्याण समिति से आप भी जुड़ी है। नारी कल्याण समिति के जरिए महिलाओं को जोड़ कर महिला उत्थान के अनेक कार्य किए।

महिलाओं के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए आपको संस्कार सम्मान, सर्वोदय सम्मान, मैत्री समूह का आत्मीय सम्मान, मातृ वंदना पुरस्कार, रोटरी वोकेशनल अवार्ड, श्रुत संर्वद्धन पुरस्कार, भारतीय जैन मिलन की वीरांगना ऑफ द ईयर का सम्मान मिल चुका है। नगर में पिछले 15 वर्षों से प्रतिभा सम्मान समारोह का सफलतापूर्वक संयोजन कर रही हैं। अनेक प्रश्न मंचों का सफल संयोजन किया है। अनेक महिला संगठनो को मार्ग निर्देशन भी किया है। डॉ. ज्योति जैन के पति डॉ. कपूरचंद जैन कुंद कुंद जैन डिग्री कालेज में संस्कृत विभागाध्यक्ष रहे। उन्होंने जैन धर्म के लिए कई ग्रंथ भी लिखे। डेढ़ वर्ष पूर्व अचानक पति की मृत्यु के बाद भी डॉ. ज्योति जैन ने अपने को कमजोर नहीं होने दिया और न ही अकेलापन महसूस किया। वे निरंतर महिला उत्थान एवं सामाजिक कार्यों में कदम बढ़ाकर महिलाओं की राह में लगातार उजाला कर रही हैं।

जनवरी से मार्च तक का महीना अर्थात बच्चों और माता पिता की परीक्षा का समय है। गहन अध्ययन और कठोर परिश्रम से आप सभी उच्चांक प्राप्त करें। इसके लिए गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से ढ़ेर सारी शुभकामनाएँ। परीक्षा परिणाम आने के पश्चात आपको एक और जिम्मेदारी पूर्ण करना है। अपनी अंकसूची की फोटोकॉपी और अपना पासपोर्ट फोटोग्राफ हम तक अवश्य भेजें ताकि जुलाई अंक में प्रकाशित होने वाले प्रतिभाशली छात्र छात्राओं में आपका नाम जुड़ सके। आगामी अंक में आवेदन पत्र प्रकाशित होगा, जिसे पूर्ण एवं स्वच्छ रुप भरकर समय पर हमारे कार्यालय में भेजना न भूले।

आपके परिवार में संपन्न मांगलिक अवसर जैसे कि 25वीं या 50वीं विवाह वर्षगांठ या बच्चों के विवाह का शुभ अवसर हो या जन्मदिवस की सुहानी यादें इनका विज्ञापन 'गोलालारीय दर्शन' पत्रिका में प्रकाशित कर इस सुखद एहसास को समाजजनों के साथ सांझा कर सकते है। ऐसे अवसरों पर हम लाखों रुपये खर्च कर देते है, हमारा आपसे सादर अनुरोध है कि अपने समाज की एकमात्र पत्रिका में मांगलिक प्रसंगों का विज्ञापन प्रदान कर गोलालारीय दर्शन को आर्थिक संबल कर पत्रिका के नियमित प्रकाशन में अद्वितीय सहयोग प्रदान करेंगे। आपकी छोटी सी सहायता राशि हमारे लिए अति महत्वपूर्ण है।

धार्मिक अनुष्ठानों के साथ पवाजी का वार्षिक मेला संपन्न

विशाल जैन, पवाजी । बुंदलेखंड के ऐतिहासिक विश्व प्रसिद्ध श्री 1008 दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र पवागिरीजी की पावन धरा पर प्रतिवर्ष अगहन कृष्ण 2 से आयोजित होने वाला वार्षिक मेला इस वर्ष 4 दिसम्बर से 7 दिसम्बर तक धार्मिक अनुष्ठानों के साथ साआनंद संपन्न हुआ । वार्षिक मेले के पहले दिन अतिशयकारी चमत्कारी बाबा मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ स्वामी के कलशाभिषेक व पूजन से धार्मिक अनुष्ठान प्रारंभ हुआ व अगले दिन चंदाप्रभु भगवान के महामस्तकाभिषेक का कार्यक्रम हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया । मेले के तीसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने भगवान पार्श्वनाथ स्वामी के दरबार में माथा टेक अपनी मनोकामनाएं पूर्ण करने के लिए पूजा अर्चना की । दोपहर में जल विहार कार्यक्रम के अंतर्ग श्रीजी की भव्य शोभा यात्रा गजरथ के साथ धूम धाम से निकाली गयी । मेले के अंतिम दिन क्षेत्र के प्रांगण में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने मूलनायक श्री पार्श्वनाथ स्वामी की अभिषेक, शांतिधारा, पूजा अर्चना की । दोपहर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी वार्षिक अधिवेशन संपन्न हुआ जिसमें कोषाध्यक्ष श्री प्रेमचंदजी ने विगत वर्ष का आय-व्यय पत्रक प्रस्तुत किया । विमानोत्सव कार्यक्रम में क्षेत्र की परिक्रमा करते हुए श्रीजी को पाण्डुक शिला पर विराजमान कर कलशाभिषेक किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र प्रबंध समिति के संरक्षक कैलाशचंद जैन, प्रदीपकुमार जैन विश्व परिवार झांसी, प्रेमचंद जैन डबरा, सुमतचंद बडेरा, मेला अध्यक्ष अभयकुमार विरधा, मेला मंत्री राजकुमार पवा, मोदी कमलकुमार व प्रचार मंत्री विनोद बैरागी के साथ अनेको श्रद्धालुजन उपस्थित रहे । संचालन क्षेत्र अध्यक्ष ज्ञानचंद पुरा ने किया ।

* विनम्र श्रद्धांजली *

* **श्री प्रेमचंद जैन जखौरावालों** का देव लोकगमन दि. 5 अक्टूबर 18 को भोपाल में हो गया । आप धर्मप्रेमी व सामाजिक कार्यों में विशेष रुचि रखते थे ।

* **श्री प्रेमचंद जैन** का देवलोकगमन दि. 14 अक्टूबर 18 को इन्दौर में हो गया । आप सरल स्वभावी व्यक्ति थे । आपने अनेको छंद व कविताओं की रचना की है ।

* श्री सनतकुमार जैन (बीना), अशोक व अखिलेश की माताजी **श्रीमती शांतीबाई जैन** का देवलोकगमन दि. 17 अक्टूबर 18 को इन्दौर में हो गया ।

* **श्री पूरनचंद सिंघई** का देवलोकगमन दि. 31 अक्टूबर 2018 को विदिशा में हो गया ।

* श्री शीलचंदजी जैन की धर्मपत्नी **श्रीमती विमला जैन** का देवलोकगमन 24 नवम्बर 18 को विदिशा में हो गया । आपकी धार्मिक कार्यों में विशेष रुचि रहती थी ।

* स्व. वीरेन्द्रकुमार जैन देवरानवालों के छोटे पुत्र **श्री सुनील जैन** का आकस्मिक देवलोकगमन दि. 25 नवम्बर 18 को इन्दौर में हो गया । आपकी स्मृति में परिजनों ने गोलालारीय समाज को 5100/- रु. व गोलालारीय दर्शन को 1100/- रु. की दानराशि भेंट की ।

* **श्री प्रकाशचंद जैन कसोधनवालों** का देवलोकगमन 1 दिसम्बर 18 को बबीना में हो गया । आप सरल स्वभावी व्यक्तित्व के धनी थे ।

* **श्री शिखरचंद जैन एडवोकेट** का देवलोकगन दि. 3 दिसम्बर 18 को झांसी मे हो गया । आप समाजसेवा कार्यों में विशेष रुचि रखते थे ।

* स्व. पं. खेमचंद जैन के पुत्र **श्री हुकुमचंद जैन** का देवलोकगमन दि. 10 दिसम्बर 18 को इन्दौर में हो गया । आप सरल स्वभावी एवं मिलनसार व्यक्ति थे । आपकी स्मृति में परिजनों ने गोलालारीय समाज को 11000/- रु. व गोलालारीय दर्शन को 2100/- रु. की दानराशि भेंट की ।

* **श्री गुलाबचन्द जैन केलवारावालों** का देवलोकगमन दि. 18 दिसम्बर 18 को ललितपुर में हो गया । आप अत्यंत सरल स्वभावी, परम स्नेही, धार्मिक कार्यों में रुचि रखने वाले व्यक्तित्व थे । ललितपुर में मुनि पुंगव सुधासागरजी महाराज के चौमासे के पश्चात आपके मन में क्षेत्रपालजी के दर्शन के प्रति विशेष भाव रहा । घर से आपके कदम स्वत: ही क्षेत्रपाल की ओर बढ़ जाते थे । जबकि आपको आंखो से कम दिखाई देता था परंतु मन के भाव आपको घर से मंदिर जाने में नहीं रोक पाते थे । आपकी स्मृति में परिजनों ने ललितपुर जैन मंदिर के लिए 11000/- रु. की दानराशि सप्रेम भेंट की ।

* स्व. श्री प्रेमचंद जैन मावलनवालों की धर्मपत्नी **श्रीमती पदमा जैन** का देवलोकगमन दि. 18 दिसम्बर 18 को इन्दौर में हो गया । आप धार्मिक कार्यों में विशेष रुचि रखते थे ।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से सादर श्रद्धांजलि ।

नोट - विधिवत जानकारी प्राप्त होने पर ही शोक संदेश का सचित्र प्रकाशन किया जावेगा । वाट्सएप्प नंबर 9406744064 पर जानकारी भेजे ।

भावभीनी श्रद्धांजलि

जन्म दिनांक
26.01.1924

अवसान दिनांक
18.12.2018

श्री गुलाबचन्द्र जैन (कैलवारा वाले)

:: श्रद्धानवरत ::

धर्मपत्नी - श्रीमती लक्ष्मीबाई जैन * भाई - भागचन्द्र (कक्का)- उषा जैन

* पुत्र - आशाराम-सुधा जैन, राजेन्द्र-मंजू जैन (स्टेनो), महेन्द्र कुमार-सुनीता जैन (मैनेजर- क्षेत्रपालजी), सत्येन्द्र (छोटे)

* पुत्री - सरला-विमलकुमार जैन कानपुर, कल्पना-राजेन्द्र जैन, इन्दौर,

* भतीजा - अमितकुमार जैन, अनूपकुमार जैन * भतीजी - अनीता जैन

* पपौत्र-पपौत्री : मनीषकुमार जैन, पवनकुमार जैन, अंशुल-रसना जैन (एसबीआई), रोहित-दीपाली जैन (यूएसए), पूनम-सौरभ जैन विदिशा, प्रियंका जैन (सेमसंग)

परिणयोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ

चि. अनिमेष

सुपौत्र : श्रीमती भूरीबाई-पं. फूलचंदजी शास्त्री
सुपुत्र : श्रीमती हेमलता-निर्मलकुमार जैन
इन्दौर (म.प्र.)

का शुभ विवाह

सौ.कां. सुरभि

सुपौत्री : श्रीमती खिलौनाबाई-गयाप्रसादजी
सुपुत्री : श्रीमती मीना-श्री सतीशजी
बड़नेरा, अमरावती (महा.)

के साथ दिनांक 2 दिसम्बर 2018, रविवार को
तपोभूमि, उज्जैन में संपन्न हुआ ।

हृदयांश नीतेश

सुपौत्र - कीर्तिशेष श्री भागचंद्रजी - कीर्तिशेष श्रीमती पुतरोबाई जैन
सुपुत्र - श्री जयकुमार-श्रीमती शशि जैन, जखौरा, ललितपुर (उ.प्र.)

का परिणय

हृदयांशी निकिता

सुपौत्र - कीर्तिशेष श्री नाथूरामजी - कीर्तिशेष श्रीमती कस्तूरीबाई जैन
सुपुत्र - श्री रविन्द्रकुमार-श्रीमती किरण जैन, करैरा, शिवपुरी (म.प्र.)

के साथ दिनांक 10 दिसम्बर 2018, सोमवार को
श्री 1008 श्री दि. जैन सिद्धक्षेत्र पवाजी में संपन्न हुआ ।

प्रतिष्ठान - नितिन मेडीकोज़ * नितिन मेडिकल स्टोर

Astrological Gemstone
(राशि रत्न)
Abhiraj Jain
Gemologist (IGI, GIA)
Specialist- Diamond & Pearl
Cell : 97547-25555

Working Hours
1 To 7 PM

Jariwala Diamond

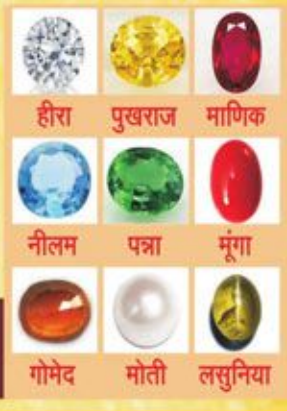

Certified- Real Diamond & Coloured Gemstone

- Coloured Gem Stones Jewellery
- Loose Diamond & Solitaire
- 100% Natural Gem Stones

Certified Gemstone IGI GII

- 100% शुद्ध चाँदी के पूजा के बर्तन
- 916 हॉलमार्क गोल्ड ज्वेलरी
- कुन्दन ज्वेलरी
- शुद्ध सोने व चाँदी के सिक्के

जरीवाला ज्वेल्स

90, जरीवाला मार्केट, लखेरवाड़ी, उज्जैन (म.प्र.)
Mobile : 9754725555, 9826021234, E-Mail : jariwaladiamond@gmail.com

बा. ब्र. अखिल कुमार जैन
एम.ए., एल.एल.बी.
अधिष्ठाता श्री दि. जैन उदासीन आश्रम द्वारा सम्पादित

जैन तिथि दर्पण श्री वीर निर्वाण संवत् २५४५

अमर ग्रंथालय, श्री दिगम्बर जैन उदासीन आश्रम एवं अभिनंदन प्रिंटिंग प्रेस से साभार ※ गोलालारीय दर्शन द्वारा प्रकाशित

महीना (ईसवी सन् २०१८-१९)	१ प्रतिपदा		२ द्वितीया		३ तृतीया		४ चतुर्थी		५ पञ्चमी		६ षष्ठी		७ सप्तमी		८ अष्टमी		९ नवमी		१० दशमी		११ एकादशी		१२ द्वादशी		१३ त्रयोदशी		१४ चतुर्दशी		१५/३० पूर्णि./अमा.		घटी-बढ़ी तिथियों का स्पष्टीकरण
	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	
कार्तिक शुक्ल २०७५	गु	८	शु	९	श	१०	र	११	सो	१२	मं	१३	बु	१४	गु/शु	१५/१६	श	१७	र	१८	सो	१९	मं	२०	बु	२१	गु	२२	शु	२३	८ गुरुवार को सोलह दिवसीय शुक्ल पक्ष
मार्गशीर्ष कृष्ण	श	२४	श	२४	र	२५	सो	२६	मं	२७	बु	२८	गु	२९	शु	३०	श	१ दिसम्बर	र	२	सो	३	मं	४	बु	५	गु	६	शु	७	१-२ शामिल शनिवार को
मार्गशीर्ष शुक्ल	श	८	र	९	सो	१०	मं	११	बु	१२	गु	१३	शु	१४	श	१५	र	१६	सो	१७	मं	१८	बु	१९	गु	२०	शु	२१	श	२२	
पौष कृष्ण	र	२३	सो	२४	मं	२५	बु	२६	बु	२६	गु	२७	शु	२८	श	२९	र	३०	सो	३१	मं	१ जनवरी	बु	२	गु	३	शु	४	श	५	४-५ शामिल बुधवार को
पौष शुक्ल	र/सो	६/७	मं	८	बु	९	गु	१०	शु	११	श	१२	र	१३	सो	१४	मं	१५	बु	१६	गु	१७	शु	१८	श	१९	र	२०	सो	२१	१ रविवार को सोलह दिवसीय शुक्ल पक्ष
माघ कृष्ण	सो	२१	मं	२२	बु	२३	गु	२४	शु	२५	श	२६	र	२७	सो	२८	मं	२९	बु	३०	गु	३१	शु	१ फरवरी	श	२	र	३	सो	४	
माघ शुक्ल	मं	५	बु	६	गु/शु	७/८	श	९	र	१०	सो	११	मं	१२	बु	१३	गु	१४	शु	१५	श	१६	श	१६	र	१७	सो	१८	मं	१९	३ गुरुवार को, ११/१२ शामिल शनिवार को
फाल्गुन कृष्ण	बु	२०	गु	२१	शु	२२	शु	२२	श	२३	र	२४	सो	२५	मं	२६	बु	२७	गु	२८	शु/श	१-२ मार्च	र	३	सो	४	मं	५	बु	६	३-४ शामिल शुक्रवार ११ शुक्रवार को
फाल्गुन शुक्ल	गु	७	शु	८	श	९	र	१०	सो	११	मं	१२	बु	१३	गु	१४	शु	१५	श	१६	र	१७	सो	१८	मं	१९	बु/गु	२०/२१	शु	२२	१४ बुधवार को
चैत्र कृष्ण	शु	२२	श	२३	र	२४	सो	२५	मं	२६	बु	२७	गु	२८	शु	२९	श	३०	र	३१	सो	१ अप्रैल	मं	२	बु	३	गु	४	शु	५	
चैत्र शुक्ल सं. २०७६	श	६	र	७	सो	८	मं	९	बु	१०	गु	११	शु	१२	श	१३	र	१४	र	१४	सो	१५	मं	१६	बु	१७	गु	१८	शु	१९	९-१० शामिल रविवार को
वैशाख कृष्ण	श	२०	र	२१	सो	२२	मं	२३	बु	२४	गु	२५	शु	२६	श	२७	र	२८	सो	२९	मं	३०	बु	१ मई	गु	२	शु	३	श	४	
वैशाख शुक्ल	र	५	सो	६	मं	७	बु	८	गु	९	शु	१०	श	११	र	१२	सो	१३	मं	१४	बु	१५	गु	१६	गु	१६	शु	१७	श	१८	१२-१३ शामिल गुरुवार को
ज्येष्ठ कृष्ण	र	१९	सो	२०	मं	२१	बु	२२	गु	२३	शु	२४	श/र	२५/२६	सो	२७	मं	२८	बु	२९	गु	३०	शु	३१	श	१ जून	र	२	सो	३	७ शनिवार को
ज्येष्ठ शुक्ल	मं	४	बु	५	गु	६	गु	६	शु	७	श	८	र	९	सो	१०	म	११	बु	१२	गु	१३	शु	१४	श	१५	र	१६	सो	१७	३-४ शामिल गुरुवार को
आषाढ़ कृष्ण	मं	१८	बु	१९	गु	२०	शु	२१	श	२२	र	२३	सो	२४	मं	२५	बु	२६	गु	२७	शु	२८	श	२९	र	३०	सो	१ जुलाई	मं	२	
आषाढ़ शुक्ल	बु	३	गु	४	शु	५	श	६	र	७	र	७	सो	८	मं	९	बु	१०	गु	११	शु	१२	श	१३	र	१४	सो	१५	मं	१६	५-६ शामिल रविवार को
श्रावण कृष्ण	बु	१७	गु	१८	शु/श	१९/२०	र	२१	सो	२२	मं	२३	बु	२४	गु	२५	शु	२६	श	२७	र	२८	सो	२९	मं	३०	बु	३१	गु	१ अगस्त	३ शुक्रवार को ३०-१ शामिल गुरुवार को
श्रावण शुक्ल	गु	१	शु	२	श	३	र	४	सो	५	मं	६	बु	७	गु	८	शु	९	श	१०	र	११	सो	१२	मं	१३	बु	१४	गु	१५	
भाद्रपद कृष्ण	शु	१६	श	१७	र	१८	सो	१९	मं	२०	बु	२१	गु/शु	२२/२३	श	२४	र	२५	र	२५	सो	२६	मं	२७	बु	२८	गु	२९	शु	३०	७ गुरुवार को ९-१० शामिल रविवार को
भाद्रपद शुक्ल	श	३१	र	१ सितम्बर	र	१	सो	२	मं	३	बु	४	गु	५	शु	६	श	७	र	८	सो	९	मं	१०	बु	११	गु	१२	शु/श	१३/१४	२-३ शामिल रविवार को १५ शुक्रवार को
आश्विन कृष्ण	र	१५	सो	१६	मं	१७	बु	१८	गु	१९	शु	२०	श	२१	र	२२	सो	२३	मं	२४	बु	२५	गु	२६	गु	२६	शु	२७	श	२८	१२-१३ शामिल गुरुवार को
आश्विन शुक्ल	र	२९	सो	३०	मं	१ अक्टूबर	बु	२	गु	३	शु	४	श	५	र	६	सो	७	मं	८	बु	९	गु	१०	शु	११	श	१२	र	१३	
कार्तिक कृष्ण	सो.	१४	मं	१५	बु	१६	गु	१७	शु	१८	श	१९	र	२०	सो	२१	मं	२२	बु	२३	गु	२४	शु	२५	श	२६	र	२७	सो	२८	३०-१ शामिल सोमवार को
कार्तिक शुक्ल	सो.	२८	मं	२९	बु	३०	गु	३१	शु	१ नवम्बर	श	२	र	३	सो	४	मं	५	बु/गु	६/७	शु	८	श	९	र	१०	सो	११	मं	१२	१० बुधवार को

प्रमुख व्रत विधान

अष्टाह्निका
का.शु. ८ गुरु १५ नवम्बर १८ से का.शु. १५ शुक्र २३ नव. १८ तक।
फा.शु. ७ बुध १३ मार्च १९ से फा.शु. १५ गुरु २० मार्च १९ तक।
आ.शु. ८ मंगल ९ जुलाई १९ से आ.शु. १५ मंगल १६ जुलाई १९ तक।
का.शु. ८ सोम ४ नवम्बर १९ से का.शु. १५ मंगल १२ नवम्बर १९ तक।

सोलहकारण
पौष शु. १४ रवि २० जन. १९ से फा.कृ. १ बुध २० फर. १९ तक।
फा.शु. १४ बुध २० मार्च १९ से वै.कृ. १ शनि २० अप्रैल १९ तक।
भा.शु. १५ गुरु १५ अगस्त १९ से आ.कृ. १ रवि १५ सित. १९ तक।

दसलक्षण
माघ शु. ४ शनि ९ फर. १९ से माघ शु. १४ सोम १८ फर. १९ तक।
चैत्र शु. ४ मंगल ९ अप्रैल १९ से चैत्र शु. १४ गुरु १८ अप्रैल १९ तक।
भाद्र शु. ५ मंगल ३ सित. १९ से भाद्र शु. १४ गुरु १२ सित. १९ तक।

पुष्पांजलि
माघ शु. ५ रवि १० फर. १९ से माघ शु. ९ गुरु १४ फर. १९ तक।
चैत्र शु. ५ बुध १० अप्रैल १९ से चैत्र शु. ९ रवि १४ अप्रैल १९ तक।
भाद्र शु. ५ मंगल ३ सित. १९ से भाद्र शु. ९ शनि ७ सित. १९ तक।

रत्नत्रय
माघ शु. १३ रवि १७ फर. १९ से माघ शु. १५ मंगल १९ फर. १९ तक।
चैत्र शु. १३ बुध १७ अप्रैल १९ से चैत्र शु. १५ शुक्र १९ अप्रैल १९ तक।
भाद्र शु. १३ बुध ११ सित. १९ से भाद्र शु. १५ शुक्र १३ सित. १९ तक।

दिन का चौघड़िया

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल
चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर
शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल

रात का चौघड़िया

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग
चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर
लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल
शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

रोहिणी व्रत

मार्गशीर्ष कृष्ण २
मार्गशीर्ष शुक्ल १४
पौष शुक्ल १२
माघ शुक्ल ९
फाल्गुन शुक्ल ७
चैत्र शुक्ल ५
वैशाख शुक्ल ३
ज्येष्ठ कृष्ण ३०
आषाढ़ कृष्ण १४
श्रावण कृष्ण ११
भाद्रपद कृष्ण ८
आश्विन कृष्ण ७
कार्तिक कृष्ण ५

मुक्तावली व्रत

कार्तिक शुक्ल ३
कार्तिक शुक्ल ११
मार्गशीर्ष कृष्ण ११
मार्गशीर्ष शुक्ल ३
भाद्रपद शुक्ल ७
आश्विन कृष्ण ६
आश्विन कृष्ण १३
आश्विन शुक्ल ११
कार्तिक कृष्ण १२

[illegible]

सौजन्य से - निशांत जैन, फिटनेस वर्ल्ड, एल.जी.3, के.के. बापना आर्केड, जंजीरवाला चौराहा, इन्दौर फोन : 0731-2432833 मो.: 94250-58636

आपकी स्मृतियां सदा हमें आपकी उपस्थिति का अहसास दिलाती हैं

अवसान : 27-9-2007
पू. पिताजी स्व. श्री नरेन्द्र जैन
(सायकल वाले)

श्रद्धा नमन :
श्रीमती चंदा जैन
निशांत-रेशू जैन
नमिता-कमलेश जैन
नम्रता-निदेश जैन
चार्मी, चिदेश जैन
आयुषी, अशिता जैन
उत्कर्ष, वेदांत जैन
समस्त सिंघई परिवार
एवं स्नेहीजन

फर्म :
फिटनेस वर्ल्ड
एल.जी.3, के.के. बापना आर्केड
जंजीरवाला चौराहा, इन्दौर
फोन : 0731-2432833
मो.: 94250-58636

ऐलीमेन्ट टेक्नोलॉजी
ऐलीमेन्ट सेनिटेशन
105, के.के. बापना आर्केड
जंजीरवाला चौराहा, इन्दौर
फोन : 0731-4020999
मो.: 94250-58636

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, सम्पादक मण्डल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।

स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौर से मुद्रित एवं ग्राफिक्स ज़ील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित